शब्द-अर्थ

मस्ताना – मस्ती वाला
पात-पात – पत्ता-पत्ता
इठलाना – इतराना
स्वर – आवाज़
ऋतु – मौसम
भौंरा – भँवरा
तन – शरीर
चहक-चहक कर – बहुत खुश होकर

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर में ✓ निशान लगाइए–

(क) फूलों पर भौंरे के अलावा और कौन-कौन बैठ सकता है?

तितली ☑ कुत्ता ☐ खरगोश ☐

(ख) किसका स्वर मस्ताना लगता है?

भौंरे का ☐ कोयल का ☑ तितली का ☐

(ग) वसंत ऋतु क्या लेकर आती है?

उपहार ☐ खिलौने ☐ खुशियाँ ☑

1. दिए गए शब्दों में 'ना' जोड़कर क्रिया शब्द बनाइए–

चहक + ना = चहकना

इठला + ना = इठलाना

गा + ना = गाना

झूल + ना = झूलना

खेल + ना = खेलना

2. समान अर्थ वाले शब्दों का मिलान कीजिए–

फूल	पुष्प
पात	पत्ता
खुश	प्रसन्न
डाल	टहनी
तन	शरीर
ऋतु	मौसम

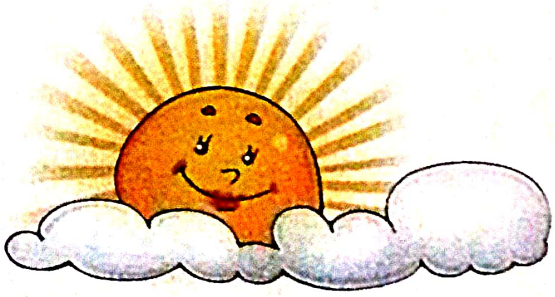

3. दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

फूल-फूल – फूल-फूल पर भौंरे गाना गाते है।

डाल-डाल – पर कोयल की मीठी स्वर सुनाई देती है।

चहक-चहक – कर हवाएँ चलती है।

रचनात्मक

ये भी जानें

- मुख्य रूप से चार तरह के मौसम होते हैं– गरमी, सरदी, बरसात और वसंत।
- वसंत ऋतु में 'वसंत पंचमी' का त्योहार धूमधाम से मनाते हैं।

आओ कुछ नया करें

- किन्हीं दो-दो चीज़ों के नाम लिखिए जो निम्नलिखित मौसम में प्रयोग होती हैं–

सरदी – स्वेटर, कंबल

बरसात – छतरी, रेनकोट

गरमी – पंखा, ठंडा पानी

कला एकीकृत

- चित्र देखकर मौसम के नाम लिखिए–

सरदी

गरमी

बरसात

वसंत

Lesson - 12

(वसन्त ऋतु)

प्र०1. वसंत ऋतु आने पर भौंरे और कोयल क्या - क्या करते है?

उ०. वसंत ऋतु आने पर भौंरे फूलों के ऊपर मँडराते है और कोयल की मीठी कूँक सुनाई देती है।

प्र०2. वसंत ऋतु मे हवा कैसे चलती है?

उ०. वसंत ऋतु मे हवा महक - महक कर और चहक - चहक कर चलती है।